सांध्य दैनिक 4PM

मीठे वचन सब ओर सुख फैलाते हैं। किसी को भी वश में करने का ये एक मंत्र है। इसलिए मानव को चाहिए कि कठोर वचन छोड़कर मीठा बोलने का प्रयास करें।
तुलसीदास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 64 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 8 अप्रैल, 2023

भाजपा नहीं भगदड़ पार्टी... 2 | कर्नाटक में दोधारी तलवार पर... 3 | हादसे का शनिवारः सड़क दुर्घटना में... 7

पवार के बयान पर छिड़ गया सियासी वार

एनसीपी प्रमुख ने जेपीसी की मांग को बताया गलत

» भाजपा ने किया स्वागत, कांग्रेस असहमत उद्धव गुट शिवसेना भी सतर्क

» टाटा-बिड़ला पर भी लगते थे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शरद पवार के अडानी मामले में जेपीसी की मांग को गलत बताने के बयान पर सियासी घमासान छिड़ गया हैं। जहां भाजपा ने इसका स्वागत किया है वहीं कांग्रेस ने आपत्ति जताई है जबकि उद्धव गुट शिवसेना ने कहा है कि इससे विपक्षी एकता पर कोई असर नहीं होगा। खैर जो भी हो पवार ने इस मामले में शनिवार को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सफाई दी है। हालांकि विश्लेषक इसके अलग मायने निकाल रहे हैं कुछ इसे 2024 लोकसभा चुनाव से जोड़कर कर चल रहे हैं।

शरद पवार ने कहा, एक जमाना ऐसा था जब सत्ताधारी पार्टी की आलोचना करनी होती थी तो हम टाटा-बिड़ला का नाम लेते थ, टाटा का देश में योगदान है, आजकल अंबानी-अडानी का नाम लेते हैं, उनका देश में क्या योगदान है, इस बारे में सोचने की आवश्यकता है, अपनी सफाई में शरद पवार ने कहा, इंटरव्यू अडानी को लेकर नहीं था, वह कई और मुद्दों को लेकर था, जिसमें मुझसे अडानी को लेकर भी सवाल पूछे गए जिनके मैंने जवाब दिए।

जेपीसी में भाजपा के सदस्य होते ज्यादा

शरद पवार ने बताया, आखिर उन्होंने जेपीसी जांच की मांग को क्यों ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, मैंने विपक्षी दलों के साथ हुई बैठक में भी ये बात कही थी कि जेपीसी में 21 में से 15 सदस्य सत्ताधारी पार्टी के होंगे, इसलिए ज्यादातर लोग सत्ताधारी पार्टी के हों तो आखिर वहां देश के सामने सच्चाई कहां तक आ पाएगी। इसलिए मैंने कहा, इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट की स्वतंत्र टीम करे,उन्होंने कहा, जहां तक जांच के संबंध में मेरी राय का सवाल है तो मैंने यही कहा कि जेपीसी की जांच की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि जेपीसी की कोई भी जांच प्रभावी तरीके से नहीं हो सकती क्योंकि जब जेपीसी बनेगी उसमें भाजपा का बहुमत रहेगा और अन्य दलों को अधिकतम एक या दो सदस्यों का ही प्रतिनिधित्व मिल पाएगा और ऐसे में वही निष्कर्ष निकाला जाएगा जो सत्ता पक्ष को चाहिए होगा।

कांग्रेस ने जताई असहमति

पवार के बयान से कांग्रेस ने असहमति जताई है। उसने कहा कि उसकी सहयोगी एनसीपी का अपना अलग विचार हो सकता है। हालांकि, 19 समान विचारधारा वाले विपक्षी पार्टियां आश्वस्त हैं कि समूह के खिलाफ आरोप वास्तविक और बहुत गंभीर हैं।

विपक्षी एकता पर नहीं पड़ेगा कोई असरः राउत

नई दिल्ली। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत ने कहा कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार के बयान से विपक्षी एकता प्रभावित नहीं होगा। बता दें, पवार ने पिछले दिनों कहा था कि अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद की जेपीसी जांच की मांग उचित नहीं है। संजय राउत के मुताबिक, शरद पवार ने कहा कि विपक्ष जेपीसी की मांग कर रहा है, लेकिन इससे कुछ नहीं होगा, क्योंकि जेपीसी का अध्यक्ष भाजपा का होगा... अदाणी को लेकर टीएमसी, एनसीपी की अपनी राय है, लेकिन इससे विपक्षी एकता प्रभावित नहीं होगी।

वाराणसी में तेज प्रताप यादव से बदसलूकी

» होटल से सामान बाहर निकाला पुलिस जांच में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बेटे और बिहार सरकार में मंत्री तेज प्रताप यादव से वाराणसी के होटल में बदसलूकी का मामला सामने आया है। घटना सिगरा के एक होटल की बताई जा रही है। जहां विवाद के बाद तेज प्रताप यादव को सामान के साथ होटल से बाहर कर दिया गया।

मामले की जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। पुलिस इस घटना की जांच में जुटी है बिहार सरकार के मंत्री तेज प्रताप बीती रात सिगरा स्थित होटल अरकाडिया के प्रबंधन पर बिफर पड़े। उन्होंने बिना अनुमति लगेज को कमरे से बाहर करने व उसकी तलाशी लेने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने भरी सुखोई फाइटर जेट से उड़ान

» असम के तेजपुर एयरबेस से किया टेक-ऑफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में राष्ट्रपति मुर्मू ने सुखोई फाइटर जेट से उड़ान भरी। असम के तेजपुर एयरबेस से राष्ट्रपति ने यह उड़ान भरी। इससे पहले 2009 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल भी अग्रिम मोर्चे के लड़ाकू विमान में उड़ान भर चुकी हैं।

इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुवाहाटी में गजराज महोत्सव-2023 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रकृति और मानवता के बीच पवित्र रिश्ता होता है। जो कार्य प्रकृति और पशु-पक्षियों के लिए हितकारी है, वह मानवता के भी हित में है। धरती माता के हित में भी है। इससे पूर्व उन्होंने कांजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हाथी को खाना खिलाया और जीप सफारी का लुत्फ लिया। राष्ट्रपति ने हाथियों के साथ दया का व्यवहार करने, उनके गलियारों को अवरोधों से मुक्त रखने का आग्रह किया ताकि उनकी आवाजाही आसान हो सके।

भाजपा नहीं भगदड़ पार्टी कहिए

» सुरजेवाला बोले-कर्नाटक में सीएम बोम्मई की कोई नहीं सुनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। पत्रकारों से बात करते हुए सुरजेवाला ने बीजेपी को भगदड़ पार्टी बताया है। दरअसल, सत्ताधारी बीजेपी ने आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए अब तक उम्मीदवारों की लिस्ट जारी नहीं की है।

इसे लेकर जब पत्रकारों ने कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला से सवाल किया तो उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री बोम्मई अपनी सीट पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते, उनके मंत्रीगण भी अपनी सीट पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते, सब अपनी-अपनी सीट छोड़कर भाग रहे हैं। बीजेपी में भगदड़ मच गई है और बीजेपी का नाम अब भगदड़ पार्टी हो गया है, बीजेपी में कोई चुनाव नहीं लड़ना चाहता है। सुरजेवाला यही नहीं रुके, उन्होंने इस दौरान पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी घेरा।

उन्होंने कहा कि फिल्मों के स्टार्स की सहायता ले रहे हैं, क्योंकि न बोम्बई जी को कोई सुनता है, न नड्डा जी और न ही मोदी जी को कोई सुनता है और अमित शाह की रैली में कुर्सियां खाली रहती हैं। सुरजेवाला ने बीजेपी पर कर्नाटक को लूटने का भी आरोप लगाया।

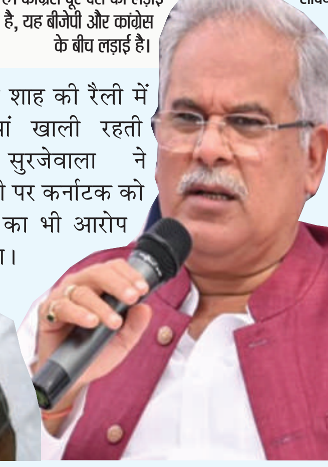

बीजेपी और कांग्रेस के बीच लड़ाई

कर्नाटक बीजेपी को लेकर आगे बात करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि बोम्मई जी की तस्वीर पोस्टर पर नहीं है, इन्हें राज्य के विकास से कोई मतलब नहीं हैं, प्रह्लाद जोशी, मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे है, कि उन्हें विपक्ष का नेता बना दिया जाए, लेकिन उनकी कोई नहीं सुन रहा है, इसलिए अपना गुस्सा हमपर निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को बीजेपी गोवा की तरह आया राम गया राम की तरह बनाना चाहती है। कांग्रेस पूरे देश की लड़ाई लड़ रही है, यह बीजेपी और कांग्रेस के बीच लड़ाई है।

हिंदू राष्ट्र की मांग करने वाले गृहमंत्री का करें घेराव : भूपेश बघेल

रायपुर। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार रामराज्य के रास्ते पर ही चल रही है। साथ ही उन्होंने इशारों-इशारों में बीजेपी पर भी निशाना साधा। सीएम भूपेश बघेल ने शंकराचार्य के बयान को लेकर कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार रामराज्य की राह पर चल रही है। साथ ही उन्होंने हिंदू राष्ट्र को लेकर बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब देश के गृहमंत्री कह रहे हैं कि देश अंबेडकर के संविधान के आधार पर चलेगा, तो जितने भी हिंदू राष्ट्र की मांग करने वाले लोग हैं, पहले उन्हें गृह मंत्री अमित शाह के निवास का घेराव कर देना चाहिए। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि हिंदू राष्ट्र छत्तीसगढ़ या किसी अन्य राज्य से लागू नहीं होगा। यह पूरे देश में लागू होगा। देश के गृहमंत्री ही ऐसा बयान दे रहे हैं तो उनके खिलाफ क्यों एक शब्द नहीं कहा जाता है। शंकराचार्य के रामराज्य की बात को लेकर मुख्यमंत्री ने यह बताया रामराज्य की बात महात्मा गांधी ने कही है और छत्तीसगढ़ की सरकार पहले ही उस दिशा में चल रही है।

बिजली सब्सिडी खत्म करने की साजिश : आतिशी

» मंत्री झूठ बोल रही हैं : भाजपा अध्यक्ष सचदेवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में ऊर्जा मंत्री और आम आदमी पार्टी नेता आतिशी मार्लेना ने आरोप लगाया है कि भाजपा उपराज्यपाल के जरिए राजधानी के लोगों को दी जा रही बिजली सब्सिडी समाप्त करने की कोशिश कर रही है। भाजपा ने मंत्री के इस बयान को सिरे से झूठ बताते हुए कहा है कि एक जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह की आधारहीन बात नहीं करनी चाहिए।

यदि मंत्री के पास इस तरह के कोई साक्ष्य हों, तो उसे जनता के सामने पेश करना चाहिए, अन्यथा अपनी गलतबयानी पर माफी मांगनी चाहिए। भाजपा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि बिजली मंत्री आतिशी ने पिछले दिनों उपराज्यपाल पर बिजली सब्सिडी खत्म करने का झूठा आरोप लगाया। भाजपा यह मांग करती है कि केजरीवाल सरकार वह पत्र या साक्ष्य सार्वजनिक करें, जिसमें उपराज्यपाल ने बिजली सब्सिडी खत्म करने को कहा हो। उन्होंने कहा कि यदि सरकार के पास इस तरह का कोई साक्ष्य नहीं है तो उन्हें अपने झूठ पर तत्काल जनता से माफी मांगनी चाहिए। सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार अब न्यायपालिका को भी गुमराह करने लगी है।

बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

» पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में दखल से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली/कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी की इस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में दखल से इनकार करने के हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने याची से पूछा कि जब चुनाव पहले से तय है तो वह बीच में कैसे रोक सकते हैं उसमें दखल कैसे हो सकता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि चुनाव पर रोक लगाना गंभीर मसला है और हम ऐसा नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इसमें दखल नहीं देंगे और अर्जी खारिज कर दी। दरअसल कलकत्ता हाई कोर्ट ने 28 मार्च को राज्य के पंचायत चुनाव प्रक्रिया में दखल से मना कर दिया था जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने पूछा कि जब चुनाव पहले से ही निर्धारित है तो वह बीच में चुनाव कैसे रोक सकती है।

चुनाव रोकना एक गंभीर मामला

पीठ ने कहा, चुनाव पर रोक लगाना एक गंभीर मामला है और हम ऐसा नहीं कर सकते। हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे। माफ कीजिए, याचिका खारिज की जाती है। वरिष्ठ अधिवक्ता पी एस पटवालिया बीजेपी विधायक अधिकारी के लिए पेश हुए, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं।

मप्र की 50 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव में छह माह का समय बचा है। मध्य प्रदेश में असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) विधानसभा चुनाव-2023 में कांग्रेस का गणित बिगाड़ेगी। पार्टी ने प्रदेश की 230 सीटों में से 50 सीटों पर लड़ने की तैयारी की है। इसमें से 33 सीटों को चिन्हित भी कर लिया है, जहां मुस्लिम वोटरों की संख्या ज्यादा है।

एआईएमआईएम प्रदेश में सक्रिय भी हो गई है। यहां पर सर्वे करके जिताऊ उम्मीदवारों को तलाशा जा रहा है। इसमें जनता के बीच सक्रिय और जिताऊ उम्मीदवारों की तलाश की जा रही है। इसमें जनता के बीच सक्रिय लोगों के साथ ही भाजपा और कांग्रेस पार्टी के लोकप्रिय असंतुष्ट नेताओं की जानकारी जुटाई जा रही है।

वहीं एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद पुलिस की आलोचना करते हुए कहा कि उन लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिन्होंने रामनवमी के जुलुस के दौरान नाथूराम गोडसे के पोस्टर प्रदर्शित किए। ओवैसी ने कहा, अगर कोई ओसामा बिन लादेन की तस्वीर लेकर निकलता तो पुलिस उसके घर के दरवाजे-खिडकी तोड़ देती।

सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार : भाजपा

भाजपा प्रवक्ता पंकज चुतर्वेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ही पार्टी है, जो सिर्फ विकास और सबके विकास की बात करती है। ओवैसी और आम आदमी पार्टी के चुनाव लड़ने का सवाल है तो यह लोकतंत्र है। यहां पर सभी व्यक्ति और पार्टियों को चुनाव लड़ने का अधिकार है। जनता अपने मत से तय करेंगी कि कौन किसकी टीम है या नहीं हैं। भाजपा की सरकार ने बंटाधार मध्य प्रदेश को विकसित और समृद्ध प्रदेश बनाया है।

एआईएमआईएम बीजेपी की बी टीम : कांग्रेस

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि मौजूदा संवैधानिक व्यवस्था में हर राजनीतिक दल और व्यक्ति को चुनाव लड़ने का अधिकार है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी का स्वागत है। जहां तक ओवैसी की पार्टी का प्रश्न है तो वह भाजपा की बी टीम के रूप में स्थापित हो चुकी हैं। आने वाले समय में ऐसे राजनैतिक दलों और व्यक्तियों की कलाई और भी खुलेंगी।

खरगे को बनाना चाहिए पीएम पद का उम्मीदवार : ओमप्रकाश राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि विपक्ष से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि लोग मायावती के नाम साथ नहीं तो मल्लिकार्जुन खरगे के नाम पर आएं। उन्होंने कहा कि इस बार दलित प्रधानमंत्री होना चाहिए।

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि इस बार सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अकेले निकाय चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य सिर्फ ड्रामेबाजी करते हैं। राजभर ने बसपा सुप्रीमो मायावती को सशक्त महिला करार देते हुए कहा कि जब वह यूपी के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थीं तो लोग हनुमान चालीसा पढ़ते थे, सब तरफ शांति थी किसी को अराजकता करने की हिम्मत नहीं था।

कर्नाटक में दोधारी तलवार पर सत्ता

» जेडीएस की होगी अहम भूमिका
» कांग्रेस को और बढ़ाना होगा वोट प्रतिशत
» बीजेपी फूंक-फूंक कर रख रही कदम
» कांग्रेस को 18 में मिले थें अधिक वोट शेयर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में जैसे-जैसे वोटिंग की तारीखें करीब आ रही हैं सियासी पार्टियों की धड़कने बढ़ने लगी हैं। जहां कांग्रेस व जेडीएस ने कुछ प्रत्याशी घोषित कर दिये है वहीं बीजेपी अब भी वेट एंड वाच की मुद्रा में हैं। चुनावी रंगत में रंगे सभी दल एकदूसरे पर आरोप व प्रत्यारोप में जुट गए है। सब एक-दूसरे की कमियों को उजागर करने में लग गए हैं। पर कर्नाटक के सियासी समीकरण कुछ अलग इशारे कर रहे हैं। राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि इसबार सत्ता परिवर्तन हो सकता है बशर्ते जेडीएस के वोटों में बिखराव न हो। जेडीएस के कमजोर होने का फायदा भाजपा को मिल सकता है। वरना कांग्रेस को सत्ता मिलने की संभावना प्रबल है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2018 के दौरान तत्कालीन सिद्धारमैया-नीत कांग्रेस पार्टी सत्ता गंवा बैठी थी, लेकिन वोट शेयर के मामले में उसका प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा था, और लगभग चार दशक में यह पहला मौका था, जब सत्तासीन राजनैतिक दल का वोट शेयर बढ़ा था। वर्ष 2013 के 36.59 फीसदी की तुलना में वर्ष 2018 में कांग्रेस ने 38.14 फीसदी वोट हासिल किए थे। हालांकि जीती हुई सीटों के मामले में कांग्रेस को करारा नुकसान झेलना पड़ा था। 2013 में जीती 122 सीटों के मुकाबले 2018 में पार्टी ने सिर्फ 80 सीटें जीती थीं। इस नतीजे से साफ हो गया था कि इस सूबे में वोट शेयर के सीट के रूप में तब्दील होने का गणित कितना जटिल है, और इससे कांग्रेस के लिए बेहद विकट स्थिति पैदा हो गई। विधानसभा चुनाव 2023 में स्पष्ट बहुमत हासिल करने के लिए कांग्रेस को न सिर्फ अपना वोट शेयर बढ़ाना होगा, बल्कि उन्हें जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) के भी कुछ सीटों पर कमज़ोर होने और कुछ सीटों पर मज़बूत होने की दुआ करनी होगी। इस जटिल-सी उम्मीद को साफ-साफ समझाना आसान नहीं है, लेकिन पिछले आंकड़े कतई ऐसा ही बताते हैं। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पाटी, कांग्रेस के साथ-साथ क्षेत्रीय पार्टी छ्ष्ठस् के बीच मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा है, लेकिन वोट शेयर के आंकड़ों का बारीक विश्लेषण बताता है कि 224-सदस्यीय विधानसभा की ज़्यादातर सीटों पर या तो बीजेपी और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा, या कांग्रेस और जेडीएस के बीच मुकाबला होगा। कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय भी हो सकता है, लेकिन ऐसी सीटें बेहद कम हैं, जहां मुकाबला बीजेपी और जेडीएस के बीच हो।

तोल-मोल के प्रत्याशी तय करेगी भाजपा

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए तारीख का ऐलान हो गया है। कांग्रेस और जनता दल-सेक्युलर ने अपने उम्मीदवारों की दो-दो लिस्ट भी जारी कर दी हैं। लेकिन भाजपा ने अभी तक कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं है। ऐसे में कई सवाल उठ रहे हैं, आखिर क्यों भाजपा ने अभी तक किसी उम्मीदवार का नाम फाइनल नहीं किया है? भाजपा सूत्र का कहना है कि हम किसी जल्दबाजी में नहीं हैं, एक प्रक्रिया के तहत उम्मीदवारों के नामों पर विचार चल रही है और केंद्रीय चुनाव समिति सीईसी की बैठक के बाद नामों की घोषणा होगी। भाजपा सूत्र ने बताया कि कर्नाटक में प्रत्याशियों के नाम तय करने में कोई देरी नहीं हो रही है। बीजेपी ने कर्नाटक में वेट एंड वॉच की रणनीति अपनाई है। पार्टी कांग्रेस और जेडीएस के उम्मीदवारों की सूची भी देख रही है। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा बेहद गंभीरता से विचार कर रही है। कई पहलुओं पर गौर किया जा रहा है, प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में, आंतरिक सर्वेक्षण, आंतरिक चुनाव और जनमत सर्वेक्षण किए गए हैं, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय नेताओं से तीन सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों को वोट देने के लिए कहा गया,वोटिंग स्लिप थीं और उनसे अपनी पसंद मार्क करने को कहा गया था। मतपेटियों को फिर बेंगलुरु लाया गया और परिणाम के आधार पर, प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में तीन नामों को अंतिम रूप दिया गया। इसके बाद इन नामों को आंतरिक सर्वेक्षण और जनमत सर्वेक्षणों से जोड़ा गया। भाजपा सूत्र ने बताया कि हाल ही में संपन्न हिमाचल प्रदेश चुनाव में भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई गई थी। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि उम्मीदवार के चयन के लिए तीन मानदंड हैं।

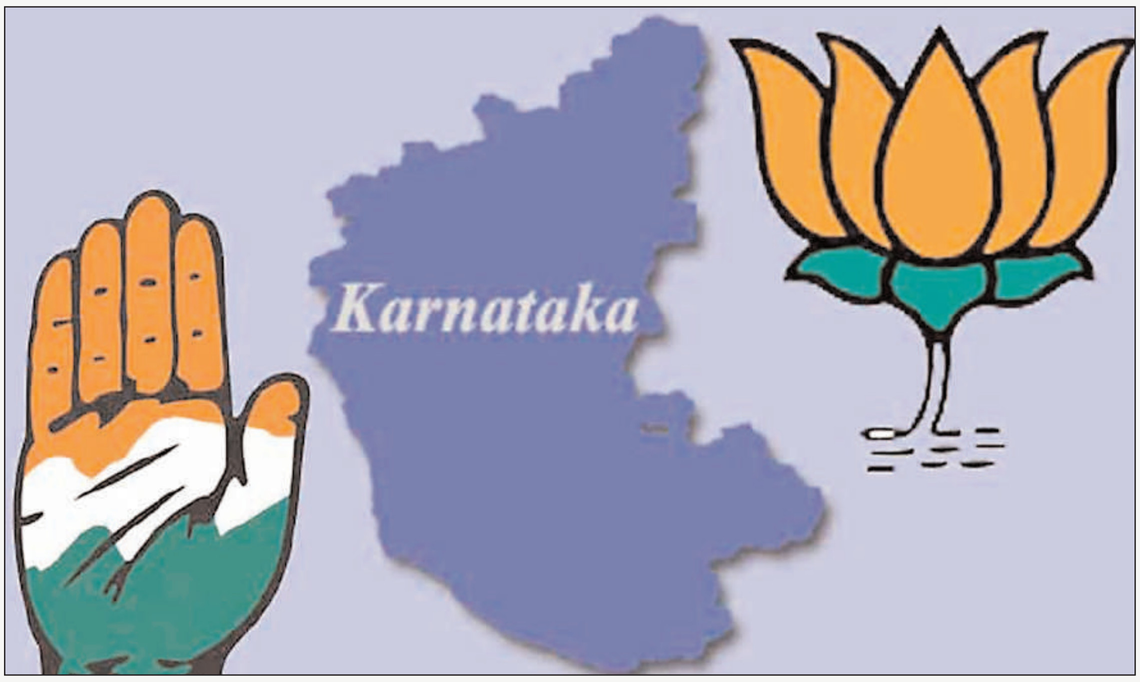

लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत होगा मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का चयन : सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी और अनबन सामने आ गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने लंबे समय से अपने प्रतिद्वंद्वी रहे और राज्य में पार्टी के प्रमुख डीके शिवकुमार के खिलाफ अपनी टिप्पणियों से यह संकेत दिया है। सिद्धारमैया ने शिवकुमार और खुद को राज्य के शीर्ष पद का दावेदार स्वीकार करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस बहुमत हासिल कर लेती है, तो अगला मुख्यमंत्री चुनने के लिए हाईकमान दखल नहीं देगा, क्योंकि चुने हुए विधायकों को चुनाव करना है। यह पूछे जाने पर कि शीर्ष पद पर किसी युवा व्यक्ति को मौका क्यों नहीं दिया जाता है, 75 साल के हो चुके पूर्व मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यह आखिरी चुनाव होगा, जो वह लड़ेंगे।

हम किसी से गठबंधन नहीं करेंगे: डीके शिवकुमार

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने मई में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद सरकार के गठन में भाजपा से मुकाबला करने के लिए जनता दल-सेक्युलर के साथ हाथ मिलाने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी दो तिहाई सीटों पर जीत हासिल करेगी और 224 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत हसिल करेगी। डीके शिवकुमार ने त्रिशंकु विधानसभा के आसार और जेडीएस के साथ कांग्रेस के गठबंधन की संभावना से इनकार किया। शिवकुमार को खंडित जनादेश के मामले में संभावित किंगमेकर के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा,कि हम किसी भी राजनीतिक दल के साथ कोई गठबंधन नहीं चाहते हैं. मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे पास दो-तिहाई बहुमत होगा। हमारे पास भाजपा के मुकाबले सीटों की संख्या दोगुनी होगी। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस का कर्नाटक में मजबूत आधार है और इसने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम किया है। कनकपुरा की अपनी पारंपरिक सीट से चुनाव लड़ रहे डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें भारी अंतर से जीतने का भरोसा है। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अपने दूसरे निर्वाचन क्षेत्र के रूप में कोलार से भी चुनाव लड़ने की अटकलों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता ने केवल एक सीट के लिए आवेदन किया है और दूसरी सीट पर निर्णय पार्टी की चुनाव समिति द्वारा लिया जाएगा। संकटमोचक और गांधी परिवार के वफादार के रूप में जाने जाने वाले डीके शिवकुमार ने पार्टी में दलबदल की संभावना को भी खारिज कर दिया।

20 फीसदी से ज़्यादा वोट हासिल करना जरूरी

किसी पार्टी को किसी निर्वाचन क्षेत्र में अहम तब माना जाता है, जब उसके प्रत्याशी को 20 फीसदी से ज़्यादा वोट हासिल हो वर्ष 2018 के लिए जेडीएस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वोटों को जोड़ा गया है, क्योंकि उनके बीच चुनाव-पूर्व गठबंधन हुआ था। वर्ष 2013 के लिए बीजेपी का वोट शेयर केजीपी और बीएसआरएसपी अलग-अलग गुटों के साथ जोड़ा गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में, यानी अप्रैल, 2018 में जिन 222 सीटों पर (बेंगलुरू शहर की दो विधानसभा सीटों पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था, और इन पर बाद में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन ने चुनाव लड़ा था) मतदान करवाया गया था, उनमें से 110 पर कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने थीं। इन सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी। के प्रत्याशियों ने कुल मिलाकर 80 फीसदी से ज़्यादा वोट हासिल किए। उत्तरी और तटीय कर्नाटक में जेडीएस अहम राजनैतिक पार्टी नहीं है, और उनके पास ज़्यादातर वोट दक्षिणी कर्नाटक से ही आते हैं.। किसी विधानसभा सीट पर 80 फीसदी से ज़्यादा वोट हासिल किए वर्ष 2018 के लिए जेडीएस और बहुजन समाज पाटी के वोटों को जोड़ा गया है। लेकिन इन आंकड़ों का यह मतलब भी हरगिज़ नहीं है कि कर्नाटक के ओल्ड मैसूर क्षेत्र से बाहर की सीटों पर कांग्रेस के काम में जेडीएस अड़ंगा नहीं डाल सकती। ज़्यादातर चुनावों की तरह इन सीटों पर भी नतीजे करीबी हो सकते हैं, और हार-जीत का अंतर कुछ हज़ार वोटों तक सिमट सकता है। सिर्फ 5 फीसदी वोट शेयर लेकर भी जेडीएस कई सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी प्रत्याशियों की किस्मत का फ़ैसला कर सकती है। सो, जेडरएस समूचे सूबे में सरकार बनाने के लिए ही नहीं, कई सीटों पर किंगमेकर है। जिन सीटों पर सीधा मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच होता रहा है, उन पर वर्ष 2008 के बाद से अब तक के सभी चुनाव परिणामों के विश्लेषण से पता चलता है कि 61 सीटें ऐसी हैं, जिन पर जेडीएस को पराजित प्रत्याशी की हार के अंतर से ज़्यादा वोट हासिल हुए. इन सीटों पर जेडीएस को कुल वोटों के 1 से 14 फीसदी के बीच वोट हासिल हुए. इनमें से ज़्यादातर सीटें उत्तरी और मध्य कर्नाटक की हैं, जहांजेडीएस का हाज़िरी बेहद कम है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कार्डियक अरेस्ट से बचना है तो करवाएं चेकप

"जन लोगों की अचानक मृत्यु हुई, उन्होंने 10 साल पहले कार्डियक स्क्रीनिंग करवाई थी। सबको पता होना चाहिए कि दिल यूं ही काम करना बंद नहीं करता। पहले की कोई बीमारी होती है। कार्डियक अरेस्ट से सालों पहले उन बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। इसके लिए बड़े अस्पताल जाने की जरूरत नहीं। छोटे शहरों की डायग्नोस्टिक लैब्स से भी स्क्रीनिंग हो सकती है।

कुछ दिनों से लोगों के अचानक गश खाकर गिरने और दम तोड़ने की घटनाएं खूब सामने आ रही हैं। नौजवान और फिट समझे जाने वाले लोग भी अचानक चल बसे। हार्ट विशेषज्ञ बताते है कि ये कार्डियक अरेस्ट अचानक नहीं आते। व्यक्ति को हमेशा समय-समय पर हेल्थ स्क्रीनिंग बहुत जरूरी है। कभी-कभी ऐसा होता है कि लोगों ऐसा लगता है कि वह स्वस्थ हैं पर ऐसा नहीं होता है। जब कोई सिक्स पैक वाला सेलिब्रिटी गिरकर अचानक कार्डियक अरेस्ट से मर जाता है तो मीडिया अचानक कार्डियक अरेस्ट पर खूब हल्ला मचाता है और कैसे उसे रोका जा सकता है। मगर इस बारे में कम ही लोग बताते हैं कि ये अचानक आए कार्डियक अरेस्ट नहीं हैं। जिन लोगों की अचानक मृत्यु हुई, उन्होंने 10 साल पहले कार्डियक स्क्रीनिंग करवाई थी। सबको पता होना चाहिए कि दिल यूं ही काम करना बंद नहीं करता। पहले की कोई बीमारी होती है। कार्डियक अरेस्ट से सालों पहले उन बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। इसके लिए बड़े अस्पताल जाने की जरूरत नहीं। छोटे शहरों की डायग्नोस्टिक लैब्स से भी स्क्रीनिंग हो सकती है।

कोरोनरी आर्टरी में क्रिटिकल ब्लॉकेज वाले ज्यादातर मरीज साइलेंट इस्कीमिया से पीड़ित होते हैं। इसमें मरीजों को चेस्ट में पेन महसूस नहीं होता। कुछ को साइलेंट हार्ट अटैक आ जाता है। साइलेंट हार्ट अटैक की रोकथाम हो सकती है। लोग खुद को जितना फिट महसूस करते हैं, उतना फिट समझते हैं। ज्यादातर वक्त आपके फिट महसूस करने का फिट होने से कोई लेना-देना नहीं होता। डॉ शेट्टी कहते हैं कि अगर आप महीने में दो बार माउंट एवरेस्ट भी चढ़ते हैं तो भी वे आपको तब तक फिट नहीं घोषित करेंगे जब तक फिजिकल एग्जामिनेशन न कर लें। ब्लड टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राम, कार्डियक सीटी स्कैन भी देखना होता है। कॉमन स्ट्रेस टेस्ट से कोरोनरी आर्टरी डिजीज का पता नहीं लगता। दिल के सीटी एंजियो से ओपीडी में आए मरीज के दिल में छोटे ब्लॉकेज का भी पता लगाया जा सकता है। अगर इसका इलाज न हो तो यह कुछ साल बाद हार्ट अटैक के रूप में सामने आ सकता है। बहुतों को डर होता है कि हेल्थ चेकअप में कुछ ऐसा-वैसा निकल आएगा और फिर इलाज करवाना पड़ेगा। जब दिल की बीमारी लिए कोई अधेड़ व्यक्ति सांस के लिए तड़प रहा होता है और कहता है कि पूरी जिंदगी कभी डॉक्टर के पास नहीं गया, तब दुख होता है। मैं उसे यह नहीं बता सकता कि कभी डॉक्टर के पास नहीं गया, तभी यह हाल हुआ है। मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की की है मगर सारे इलाज की एक शर्त है- बीमारी का पता अर्जी स्टेज में लगना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रिकॉर्ड निर्यात से अर्थव्यवस्था को संबल

जयंतीलाल भंडारी

गत चार अप्रैल को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि भारत का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 447 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो एक साल पहले 442 अरब डॉलर था। साथ ही सेवाओं के निर्यात में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हुई है और यह पिछले वित्त वर्ष में 320 अरब डॉलर पार कर गया है, जो एक साल पहले 254 अरब डॉलर था। ऐसे में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 767 अरब डॉलर के करीब होगा। मंत्री ने इक्रियर की रिपोर्ट 'एक्सप्रेस डिलिवरी सर्विसेज सपोर्टिंग द जर्नी टुवाईस इंडिया @ 2047' जारी करते हुए कहा कि बढ़ते हुए निर्यात के कारण देश की विकास दर भी लगातार बढ़ेगी और भारत 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनने की संभावनाओं को यथार्थ रूप दे सकेगा।

निःसंदेह देश निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस समय भारत के तेजी से बढ़ते निर्यातों का ग्राफ इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है। यदि हम उत्पाद निर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि प्रमुख रूप से निर्यात अमेरिका, यूएई, चीन, बांग्लादेश व नीदरलैंड को भी बड़े पैमाने पर किए गए हैं। निर्यात उत्पादों के मद्देनजर पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है। साथ ही उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामानों का निर्यात भी किया जा रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व पटल पर कृषि निर्यात के नए उभरते हुए देश के रूप में उपस्थिति दर्ज करते हुए मानवता के आधार पर दुनिया के जरूरतमंद देशों के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति भी सुनिश्चित कर रहा है। भारत से खाद्य पदार्थों अनाज, गैर-बासमती चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। कृषि एवं प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2020-21 में खाद्य उत्पादों का निर्यात 25 अरब डॉलर था, यह वर्ष 2022-23 से 30 अरब डॉलर के पार पहुंच

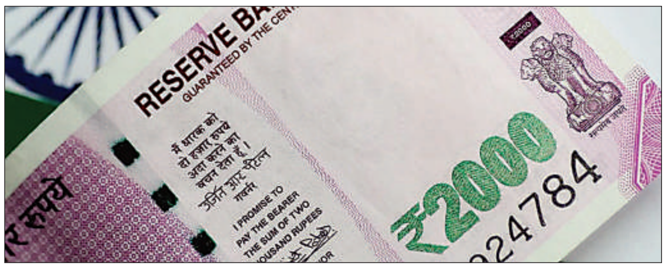

जाएगा। कृषि मंत्रालय के मुताबिक सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया गया है। गहराई से कृषि निर्यात परिदृश्य का अध्ययन करने के बाद कृषि निर्यात से सुधार के लिए रणनीतिक कदम उठाए गए हैं। ऐसे में वित्तीय वर्ष 2022-23 में कृषि निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर दिखाई दे रहा है। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रुझान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है। देश के कुल निर्यात में कृषि की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत से अधिक हो गयी। संयुक्त राष्ट्र के कृषि विभाग की रिपोर्ट को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 2018-19 में वैश्विक चावल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 22 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 40 फीसदी हो गई। इसी तरह वित्त वर्ष 2019-20 में वैश्विक गेहूं निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 0.3 फीसदी थी जो वर्ष 2021-22 में पांच फीसदी तक पहुंच गई। खास बात यह है कि कोविड-19 के कारण भारत के सेवा निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। कोविड-19 के बाद दो साल में कुल आईटी सेवाओं के निर्यात में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोविड-19 ने अधिकांश उद्योगों को डिजिटल निवेश और मल्टी-चैनल व्यवसाय में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया और कंपनियों के बैक-एंड प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे को ज्यादा बेहतर और अनुकूल बनाने के लिए प्रवृत्त किया है। आईटी सेवाओं की कुल सेवा निर्यात में लगभग 70 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसमें कंप्यूटर सेवाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। फिर पेशेवर और प्रबंधन परामर्श सेवाएं, तकनीकी और व्यापार से संबंधित सेवाएं और अनुसंधान और विकास क्षेत्रों में भी सेवा निर्यात में प्रभावी वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि जिस तेजी से देश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) की संख्या बढ़ी है, उतनी ही तेजी से आईटी सेवाओं के निर्यात में भी वृद्धि हुई है। ज्ञातव्य है कि भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध और विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते ख्याति प्राप्त वैश्विक फार्मेसी कंपनियां, वैश्विक फायनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं।

काम की महत्ता का भी हो मूल्यांकन

अरुण मायरा

'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के तहत भारत में इस साल जी-20 सम्मेलन का आयोजन चल रहा है जिसका विषय वस्तु है 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'। हम चाहते हैं कि विश्व के समस्त नागरिक सौहार्द से रहें, वह सौहार्द जो पशुओं और वनस्पति से भी हो, जिनके साथ हमारी धरती की सांझ है। हमारे समक्ष अपनी अर्थव्यवस्था और समाज पर मनन करने को बड़े सवाल हैं। एक सवाल जो भारतीयों के लिए है : भारतीय अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी हो जाएगी और कब? वहीं दूसरा सवाल संसार के सभी नागरिकों के लिए है : वे किस तरह के समाज में जीना चाहेंगे?

इंसान जो कार्य करता है वह उसके दायरे की अर्थव्यवस्था से जुड़ा होता है। अब एक तरफ, मनुष्य जिस किस्म का काम करता है, अर्थव्यवस्था में उस काम का मूल्यांकन कितना होता है तो दूसरी तरफ समाज में उसका कितना मोल है। हमें अपने उन पूर्वजों का सम्मान करना चाहिए जिनकी कर्मठता की बदौलत हमें जीवन मिल पाया है। क्योंकि अगर हम उनके काम का मोल नहीं जानेंगे तो हमारा वजूद भी ज्यादा देर नहीं रहने वाला। अर्थव्यवस्था में, उसी काम को मूल्यांकन योग्य समझा जाता है जिसमें कमाई होती हो, क्योंकि इसकी कीमत को नापा जा सकता है और यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान करता है। जब से मनुष्य का आगमन पृथ्वी पर हुआ है, हमारी मांओं ने इस संसार में हमें लाने के लिए बहुत कष्ट सहे हैं। उन्होंने हमें पाल-पोस कर बड़ा किया लेकिन बदले में बिना किसी भुगतान के। उन्होंने यह काम इसलिए किया क्योंकि उनके लिए यह करना नैसर्गिक था और तृप्ति देता था। माताओं की मेहनत और देखभाल समाज में भलाई प्रदान करती है, भले ही इससे जीडीपी के आंकड़ों में कुछ इजाफा न होता हो। सदियों से, किसान हमारा पेट भरने के लिए अन्न उगा रहे हैं। शताब्दियों से, राजगीर अपने कौशल से हमारे रहने के मकान बनाते आये हैं। उन्होंने शानदार मकबरे भी बनाए हैं, जिन्हें बड़े गर्व से दुनिया को दिखाकर बताते हैं कि हम कौन हैं। जहां हम माओं को उनके काम के लिए कुछ भुगतान नहीं करते वहीं किसान को अन्न उगाने के लिए तो राजगीरों को भवन निर्माण के लिए कीमत अदा करते हैं। लेकिन हम मांओं के काम का कितना मौद्रिक मूल्यांकन जोड़ते हैं? उनके काम की कितनी कीमत तय करते हैं? किसान और मिस्त्री के मामले में, काम का मोल उनके और खरीदार के बीच व्यापारिक हिसाब से तय होता है। एक पक्ष का श्रम, कौशल और दिया गया समय होता है तो दूसरा पक्ष भुगतान करता है। पैसे को तिजोरी में रखा जा सकता है, जिनके पास धन होता है वे भुगतान करने के लिए बेहतर समय का इंतजार कर सकते हैं। लेकिन जिन्होंने मेहनत लगाई होती है, वे मेहनताना पाने का इंतजार नहीं कर सकते, उनका काम वह नहीं है जिसका भण्डारण हो सके। एक अर्थव्यवस्था में, जिनके हाथ में पैसे का नियंत्रण है, उनकी मोल-भाव करने की ताकत उतनी ही ज्यादा होती है। मजदूर को पसीना सूखने से पहले भुगतान हो जाना चाहिए और किसान को उत्पाद सड़ने से पहले।

एक पूंजीवादी देश और समाजवादी मुल्क में असल फर्क यह नहीं है कि सरकार या निजी क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का पहिया चलाते हैं या नहीं बल्कि इसको लेकर है कि उस राज्य की अर्थव्यवस्था में इंसान का कितना मोल है, और उन्हें कितनी इज्जत दी जाती है। समय आ गया है कि अर्थव्यवस्था में पारिवारिक भावना फिर से आये ताकि समूचा विश्व एक परिवार की तरह महसूस करे। मैं तमाम अर्थशास्त्रियों से दो सवाल पूछता हूं, चाहे वे खुद को पूंजीवादी समझते हैं या समाजवादी, पहला सवाल है कि समाज में महिलाओं द्वारा निभाये काम का कितना मोल लगाएंगे। दुनियाभर में और अधिक महिलाओं को श्रमशक्ति में शामिल करने का अभियान चला हुआ है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि भारत में बहुत कम महिलाएं धन की खातिर रोजगार करती हैं। उनका कहना है, यदि उनकी संख्या ज्यादा हो जाए तो अर्थव्यवस्था और तेज गति से बढ़ेगी। लगता है वे भूल रहे हैं कि करोड़ों भारतीय महिलाएं अपने घर से बाहर निकलती हैं और हर दिन कमाई करती हैं। बतौर एक महिला-किसान, महिला-मजदूर, घरेलू नौकरानी, आया, साफ-सफाई कर्मी इत्यादि। उनके काम को अर्थव्यवस्था में ज्यादा अधिमान नहीं दिया जाता चूंकि वे पुरुषों के बराबर नहीं कमाती, तो उनकी इज्जत मर्दों जितनी नहीं है। अर्थशास्त्रियों को सोचना चाहिए कि यदि यही महिलाएं किसी औपचारिक पेशे में काम करें तो वह भी सीख कर, वह सब काम कर सकती हैं जो पुरुष करते हैं।

पूंजीवादी इंसान की ज्यादा कद्र नहीं करते। वे मानव कर्मियों की जगह स्वचालित मशीन लगाना पसंद करेंगे क्योंकि न तो वे यूनियन बनाती हैं न ही वेतन में बढ़ोतरी की मांग। तकनीक में विकास तेजी से हो रहा है। मशीनें अब लगभग वे सारा काम कर सकती हैं जिन्हें करने के लिए इंसानी हाथों की जरूरत होती है। अब तो कामकाज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) इंसानी दिमाग की जगह ले रही है। इसलिए औपचारिक रोजगार में इंसानी काम घटता जा रहा है, यहां तक कि अमीर देशों में भी। सवाल है, भारतीय युवा और भारतीय महिला श्रम बल- जोकि कि विश्व में विशालतम है- उनमें कितनों को भविष्य में औपचारिक क्षेत्र में रोजगार मिलेगा? एक पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में, पूंजीपतियों की मशीनों के उत्पादन में लगने वाले स्रोत प्रकृति का दोहन करके आते हैं। सरमायादारों की दुनिया में इंसान और धन कमाने में एक अन्य संसाधन भर है।

ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर में है शानदार करियर

देश की टूरिज्म इंडस्ट्री तेज रफ्तार से बढ़ रही है। हाल में पेश हुए बजट में नए टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित किए जाने की घोषणा के बाद से इसकी गति और तेज होने की संभावना बढ़ गई है यानी इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए अवसरों की कोई कमी रहने वाली नहीं है। वर्ल्ड ट्रैवल एवं टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 में ट्रैवल एवं टूरिज्म के जीडीपी में योगदान के संदर्भ में भारत का दुनिया के 185 देशों में 10वां रैंक था, जबकि देश के कुल रोजगार में पर्यटन क्षेत्र का योगदान 8.78 प्रतिशत था। कोरोना महामारी के बाद यह सेक्टर फिर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। दरअसल, पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र रहा है, जिस पर कोविड का व्यापक प्रभाव देखने को मिला। यात्राओं पर पाबंदी लगने से कारोबार मंदा हुआ। लेकिन उसी दौरान अनेक नए प्रयोग भी हुए। होमस्टेज, होटल्स एवं रिजॉर्ट्स में पेशेवरों के लिए वर्केशन, स्टेकेशन जैसे माडल अपनाए गए। तमाम प्रोटोकाल एवं एहतियाती कदम उठाते हुए उन्हें घर से दूर हिल स्टेशंस पर काम करने की सुविधाएं दी गईं। इससे रिमोट वर्किंग करने वाले लोगों को काफी राहत मिली।

बढ़ती संभावनाएं

भारत जैसे विविधता वाले देश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यहां की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। इससे शहरों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं।

कई हैं विकल्प

जॉब सर्च पोर्टल्स पर गौर करें, तो पाएंगे कि इन दिनों ट्रैवल एवं टूरिज्म सेक्टर में ट्रैवल कंसल्टेंट, टूरिज्म मैनेजर, टूरिज्म रिलेशनशिप मैनेजर, इनबाउंड टूर मैनेजर, टूर एग्जीक्यूटिव, सेल्स मैनेजर, आउटबाउंड एवं डोमेस्टिक टूर मैनेजर, ट्रैवल काउंसलर, आपरेशंस मैनेजर, ट्रैवल बुकिंग एग्जीक्यूटिव आदि की काफी मांग है।

कोर्स एवं शैक्षिक योग्यता

आज देश के प्रतिष्ठित कालेजों एवं विश्वविद्यालयों में ट्रैवल एवं टूरिज्म से संबंधित कोर्स कराए जा रहे हैं। कोई भी युवा 12वीं के बाद ट्रैवल एवं टूरिज्म में डिप्लोमा, स्नातक या परास्नातक डिग्री प्राप्त कर सकता है। इसके तहत ट्रैवल एवं टूरिज्म मैनेजमेंट, हास्पिटैलिटी एवं ट्रैवल मैनेजमेंट, एयर ट्रैवल मैनेजमेंट आदि कोर्स में कराये जा रहे हैं। चाहें, तो ट्रैवल एवं टूरिज्म में बीबीए और एमबीए भी कर सकते हैं। इससे निजी एवं सरकारी क्षेत्र में अवसर मिल सकते है।

हर प्रकार की योग्यता वालों के लिए अवसर

आज जब देश के लोगों की क्रय शक्ति बढ़ रही है और वे यात्राओं में रुचि लेकर उस पर खर्च कर रहे हैं, तो इससे पर्यटन क्षेत्र में नए विकल्पों के साथ अवसर भी बढ़ रहे हैं। इस क्षेत्र में हर प्रकार की योग्यता एवं कौशल रखने वाले युवाओं के लिए आगे बढ़ने के अवसर हैं। फिर वह कलाकार हों, शेफ, इंजीनियर, एडवेंचर स्पोर्ट्स में रुचि रखने वाले, वेलनेस एक्सपर्ट, डिजाइनर या बागवानी करने वाले। यहां अपने कौशल के अनुसार, छोटे स्तर पर नई शुरुआत करने से लेकर खुद का व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं। टूरिज्म के अलावा युवा इससे जुड़े हास्पिटैलिटी सेक्टर में भी अपनी रुचि अनुसार कार्य कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु

हंसना मना है

अध्यापक- ताजमहल किसने बनाया? संता - जी, कारीगर ने! अध्यापक- मेरा मतलब, बनवाया किसने था? संता-जी, ठेकेदार ने, अध्यापक बेहोश।

टीचर- इस मुहावरे को वाक्य में प्रयोग करके बताओ- मुंह में पानी आना, छात्र- जैसे ही मैंने नल की टोंटी से मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया, टीचर- गेट आउट।

बबलू -तू स्कूल क्यों नही जाता, पप्पू- कई बार गया अंकल वो वापिस भगा देते है, बबलू -क्यों? पप्पू- कहते है भाग तेरा क्या काम लड़कियों के स्कूल में।

टीचर- कल होमवर्क नही किया तो मुर्गा बनाऊंगा। छात्र- सर मुर्गा तो मैं नही खाता, मटर पनीर बना लेना।

विज्ञान के टीचर ने छात्र से पूछा, एलोवीरा क्या होता है? संता सिंह: जब एक पंजाबी व्हिस्की का पैग अपने बड़े भाई को देता है, तो कहता है ऐ लो वीरा?

टीचर: 'हिम्मत ए मर्दा तो मदद ए खुदा' का मतलब बताओ? बच्चा: जो अपनी बीवी के सामने मर्द बनने की कोशिश करता है, उसकी मदद फिर खुदा ही कर सकता है?

कहानी | मुल्ला नसरुद्दीन और बेईमान काजी

एक दिन मुल्ला नसरुद्दीन के सामने बाजार में अचानक एक अनजान व्यक्ति आता है और उन्हें थप्पड़ मार देता है। मुल्ला को कुछ समझ नहीं आता। थप्पड़ मारने के बाद वह अनजान व्यक्ति उनसे हाथ जोड़कर माफी मांगने लगता है। वह कहता है, मुल्ला जी, मुझे माफ कर दीजिए। मैं किसी दूसरे को मारना चाहता था, लेकिन गलती से आपको थप्पड़ मार दिया। मुल्ला को भरोसा नहीं हुआ। वह इंसाफ के लिए एक काजी के पास उस अजनबी को लेकर चले गए। मुल्ला ने काजी को सारी बात बताई। उसी दौरान काजी और उस अनजान व्यक्ति के बीच में कुछ बातें हुईं। उन बातों को सुनकर नसरुद्दीन को लगा कि वो दोनों एक दूसरे को पहले से ही जानते हैं। फिर भी मुल्ला ने काजी से इंसाफ करने के लिए कहा। काजी ने उस अजनबी से पूछा, क्या मुल्ला जो कह रहा है, वो सब सच है। व्यक्ति ने काजी को बताया गलती से थप्पड़ मार दिया था। काजी ने कहा कि तुम्हें मुल्ला को थप्पड़ मारने का जुर्माना भरना होगा। काजी ने जुर्माने की रकम एक रुपये तय की। मुल्ला इस फैसले से खुश नहीं थे। तभी काजी ने थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति से कहा कि अगर तुम्हारे पास अभी पैसे नहीं हैं, तो तुम बाहर जाकर पैसे कमा सकते हो। जब पैसे इकट्ठे हो जाएं, तब दे देना। यह सुनकर मुल्ला को यकीन हो गया कि ये दोनों मिले हुए हैं, लेकिन मुल्ला कुछ नहीं कर सकते थे। वो यह फैसला सुनकर चुपचाप वहां से चले गए। काफी समय बीतने के बाद भी वह थप्पड़ मारने वाला व्यक्ति वापस नहीं आया। अब मुल्ला के मन में हुआ कि वह वापस आने वाला नहीं है। यह सब काजी और उस आदमी की चाल थी। तभी मुल्ला ने काजी को सबक सिखाने का फैसला ले लिया। मुल्ला तुरंत काजी के पास पहुंच गए। काजी से नसरुद्दीन पूछते हैं, काजी साहब, क्या अनजान व्यक्ति को थप्पड़ मारने का जुर्माना सिर्फ एक रुपये होना सही है? काजी झट से जवाब देते हुए कहता है कि हां, थप्पड़ के बदले एक रुपये का जुर्माना काफी है। काजी का जवाब सुनते ही मुल्ला उसे एक थप्पड़ मार देते हैं। मुल्ला कहते हैं, काजी साहब, जब भी वह थप्पड़ मारने वाला अनजान व्यक्ति लौटेगा उस पर लगाया गया एक रुपये का जुर्माना आप ले लीजिएगा। इतना कहकर मुल्ला वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: कार्य सफलता और यश एवं कीर्ति प्राप्त करने के लिए यह दिन शुभ है। आप अपने सभी विरोधियों पर विजय प्राप्त कर सकतें हैं। आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी।

वृषभ: आपके लिए आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। अपने व्यापार में कुछ नई चीजें डालेंगे, जिससे व्यापार में उन्नति होगी। प्रॉफिट होगा। इनकम बढ़ेगी।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लेकर आया है। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, किसी विषय में आ रही समस्याएं दूर हो जायेगी।

कर्क: आज आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। जिन लोगों के साथ अनबन है उन रिश्तो में समाधान करें। कार्य स्थल पर सकारात्मक और सहायक विकास होगा।

सिंह: आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। परिवार की जिम्मेदारियों को समझेंगे और परिवार वालों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे, काम के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा।

कन्या: आज आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से सहयोग मिलेगा, जिससे आपका काम समय पर पूरा होगा। आपको तरक्की के नए रास्ते खुले नज़र आयेंगे।

तुला: आज आप बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। आज अत्यधिक आशावादी न बनें और सतर्क रहने का प्रयास करें।

वृश्चिक: आज आपको मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। दांपत्य जीवन में प्रेम और रोमांस के अवसर आएंगे। सेहत के मामले में दिन थोड़ा कमजोर है, इसलिए सावधानी बरतें।

धनु: आज आप अपने किसी खास दोस्त से फोन पर लम्बी बात होगी। आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। आज आपको लाभ के कई सारे मौके मिलेंगे।

मकर: ग्रहों की स्थिति आपके दांपत्य जीवन में तनाव बनाए रखेगी। बुरी खबर मिल सकती है। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुम्भ: आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। अपने काम पर पूरा ध्यान दे पाएंगे, जिससे नतीजे अच्छे होंगे। इनकम भी बढ़ेगी और परिवार का माहौल भी सुख शांति देगा।

मीन: आज आप कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। मित्रों से आपको सहयोग प्राप्त होगा। आपकी कोई बिजनेस डील अटक सकती है। परिवार वालो के साथ समय बीतेगा।

अब जॉन सीना संग रोमांस करेंगी प्रियंका

बॉलीवुड मसाला

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड इंडस्ट्री से गायब हैं, लेकिन एक्ट्रेस हॉलीवुड सिनेमा में अपने टैलेंट के झंडे गाड़ रही हैं। देसी गर्ल को जल्द ही रूसो ब्रदर्स की वेब सीरीज सिटाडेल में देखा जाएगा, जिसका एक्ट्रेस भारत में भी जोरदार प्रमोशन कर रही हैं। वहीं एक्ट्रेस ने डब्लूडब्लूई चैंपियन जॉन सीना के साथ बड़ा प्रोजेक्ट साइन कर लिया है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। एक्ट्रेस एक आर्टिकल की तस्वीर साझा की हैं। जिसमें लिखा है कि वह अब जॉन सीना और इद्रिस एल्बा संग काम करने जा रही हैं। फिल्म का नाम हेड्स ऑफ स्टेट है। रिपोर्ट की मानें तो यह हॉलीवुड मूवी इसी साल के मई महीने में फ्लोर पर आएगी।

प्रियंका चोपड़ा ने आर्टिकल के स्क्रीनशॉट अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। कैप्शन में लिखा है, अगली फिल्म साथ ही पीसी ने जॉन सीना और इद्रिस एल्बा को टैग करते हुए लेट्स गो लिखा है। एक्ट्रेस की इस अनाउंसमेंट से फैंस बहुत खुश हैं। पोस्ट लाइक्स की बारिश हो रही है।

सिटाडेल से मचाएंगी धमाल

प्रियंका चोपड़ा फिलहाल अपनी अपकमिंग वेब सीरीज सिटाडेल के प्रमोशन में बिजी चल रही हैं। एक्ट्रेस भारत में भी प्रमोशन कर रही हैं। हाल में ही रुसो ब्रदर्स की सीरीज सिटाडेल के प्रीमियर में प्रियंका के साथ उनके को-स्टार रिचर्ड मैडेन भी पहुंचे थे। अमेजन स्टूडियो की यह सीरीज झूठ, धोखेबाजी, रोमांच और रहस्य के साथ लव स्टोरी पर बेस्ड है। इसकी स्ट्रीमिंग 28 अप्रैल को होगी।

16 जून को रिलीज होगी प्रभास की फिल्म सालार

2023 में कई फिल्में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। प्रभास ने अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर अपडेट दी है। कुछ समय पहले ही सुपरस्टार प्रभास की फिल्म आदिपुरुष की रिलीज डेट का खुलासा किया था, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और अब एक और बड़ी फिल्म की रिलीज डेट का प्रभास ने ऐलान कर दिया है।

सोशल मीडिया वीडियो को पोस्ट किया गया है। इसके साथ कैप्शन में लिखा है, सबसे ज्यादा वायलेंट शख्स जल्द ही 28 सितंबर, 2023 को आपके होश उड़ाने के लिए पूरे पैकेज के साथ आ रहा है। फिल्म की रिलीज डेट सामने आते ही प्रभास के फैंस खपशू झूम उठे हैं। फिल्म में लीड रोल में प्रभास औरट श्रुति हासन नजर आएंगी। फिल्म का डायरेक्शन प्रशांत नील कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही एक्टर प्रभास के फैंस को खुशखबरी मिली थी की प्रशांत नील के साथ प्रभास की अपकमिंग फिल्म सालार के ओवरसीज राइट्स सबसे ज्यादा कीमत में बिक चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म सलार के राइट्स को करोड़ों में बेचा गए है। सुपरस्टार प्रभास के साथ फिल्म में श्रुति हासन भी लीड रोल में दिखेंगी। बता दें, कुछ दिनों पहले प्रभास की फिल्म आदिपुरुष की रिलीज डेट का ऐलान किया गया है। ये मूवी 16 जून 2023 को 3डी फॉर्मेट में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आदिपुरुष में प्रभास के अलावा कृति सेनन, सैफ अली खान, सनी सिंह, देवदत्त गजानन नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

शुरूआती दिनों में लोग मेरे लुक्स को पसंद नहीं करते थेः मनोज

हिंदी सिनेमा से लेकर ओटीटी पर अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले मनोज बायपेयी ने अपने लुक्स को लेकर कई खुलासे किए है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि एक समय था जब उनके लुक्स को पसंद नहीं करते थे। मनोज बाजपेयी ने अपने इंटरव्यू में खुलासा किया है कि करियर की शुरुआत में लोग कहते थे कि उनका चेहरा अच्छा नहीं है। उन्हें एक पॉपुलर एक्ट्रेस ने कहा था- मनोज, मुझे तुम अच्छे नहीं लगते, इसके जवाब में एक्टर ने कहा कि उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि ये विचार उनमें पहले से ही थी। एक्टर ने बताया है कि डायरेक्टर श्याम बेनेगल ने उन्हें फिल्म जुबैदा में कास्ट किया था। फिल्म में उन्हें राजकुमार का रोल मिला था। उन्होंने फिल्म मेकर से पूछा कि क्या वो कंफर्म हैं। मनोज को लगा कि वह राजकुमार के रोल के लिए फिट नहीं बैठेंगे। उस समय हीरों के किरदार के लिए एक इमेज थी कि लीड रोल एक्टर डैशिंग और गुड लुकिंग। आगे उन्होंने कहा कि मैं श्याम बेनगल का आभारी हूं। उन्होंने मुझे जुबैदा में कास्ट किया। उस समय मैंने उनके पास जाकर पूछा आप ऐसा क्यों कर रहो मुझे एक राजकुमार के रूप में मत डालो। मैं राजकुमार की तरह नहीं दिखता। तब उन्होंने मेरी ओर देखा कहा-तुम ऐसा क्यों कहते हो। तब बेनगल ने एक राजकुमार की फोटो निकाली और मुझसे पूछा कि रियल लाइफ का क्या राजकुमार उनसे बेहतर दिखता है। मनोज बाजपेयी के काम की बात करें तो एक्टर हाल ही में गुलमोहर में नजर आएं। गुलमोहर डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। गुलमोहर फिल्म में उनके साथ शर्मिला टैगोर भी नजर आई है। मनोज बाजपेयी जल्द ही जोराम और डिस्पैच फिल्मों में नजर आएंगे।

यहां वयस्कों को भी गोद लेने की प्रथा, बच्चों की तरह करते हैं पालन

अब तक आपने बच्चों को गोद लेने की कहानियां सुनी होंगी। भारत में हर साल हजारों लोग बच्चों को अपनाते हैं। तमाम लोग इंतजार कर रहे हैं कि कब उन्हें एक प्यारा सा बच्चा मिल जाए, लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि जापान में बच्चों की तरह वयस्कों को भी गोद लेने की प्रथा है। कई लोग जिनके पास अपना कोई नहीं होता, वे उत्तराधिकारी के लिए इन्हें गोद लेते हैं ताकि वह आगे चलकर कारोबार संभाल से सकें। यह परंपरा सैकड़ों साल से चली आ रही है। जापान के कानून के मुताबिक, लोग रिश्तेदारी से बाहर वयस्कों को कानूनी तौर पर गोद ले सकते हैं और अपने बच्चे की तरह उनका पालन-पोषण कर सकते हैं। इस प्राचीन प्रथा का मकसद खून के रिश्ते से इतर परिवार के नाम, व्यापार और वंश का विस्तार करना है। यह परंपरा दक्षिणी जापान में ज्यादा पाई जाती है। यहां व्यापारिक परिवारों ने गोद लेने के लिए ऐसे लोगों का चयन किया जो कि बेहतर उत्तराधिकारी बन सकें। कई परिवार ऐसे भी थे जिनके पास कारोबार संभालने लायक बेटे नहीं थे तो उन्होंने अपनी बेटी की शादी ऐसे किसी व्यक्ति से कर दी और फिर उसे गोद ले लिया। आपको जानकर हैरानी होगी कि जापान में जिन लोगों को बीते दिनों में गोद लिया गया, उनमें से 98 प्रतिशत वयस्क पुरुष हैं। इनकी आयु 20-30 वर्ष के बीच है। सिर्फ 2 फीसदी बच्चे गोद लिए गए हैं। सरकारी आंकड़े बताते है कि ज्यादातर कारोबारी परिवार ऐसे लोगों को गोद लेते हैं और फिर अपना पूरा कारोबार उन्हें सौंप देते हैं। कार समेत कई वाहन बनाने वाली नामचीन कंपनी सुजुकी तो इसीलिए मशहूर है कि इसका नेतृत्व काफी समय से दत्तक पुत्र ही करते रहे हैं। जापान में इन दिनों कई तरह की वेबसाइट्स शुरू की गई हैं। इन पर महिलाएं ऐसे पुरुषों की तलाश कर सकती हैं जो उनसे शादी करें और दत्तक पुत्र बन जाएं। यह वेबसाइट खूब मशहूर हो रही हैं। इसकी एक वजह है कि जापान में जन्म दर कम हो रही है और बहुत से लोगों के पास सिर्फ एक बेटी ही है। ऐसे में कारोबार संभालने के लिए उन्हें एक पुरुष चाहिए। कई लोग इसके जरिए पत्नी भी ढूंढ़ते हैं जिसके जरिए वो किसी व्यावसायिक घराने के मालिक बन सकें।

अजब-गजब | बेहद महंगा है ये फेशियल, सेलिब्रिटी भी हैं इसके शौकीन

सुंदर दिखने के लिए चेहरे पर लगाते हैं चिड़िया की बीट!

लोग सुंदर दिखने के लिए क्या कुछ नहीं करते। दूध-दही से लेकर बेसन आदि जैसी खाने की चीजों को चेहरे पर लगाते हैं, सर्जरी करवाते हैं, महंगे-महंगे प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं और कई बार तो इतनी अजीबोगरीब चीजें इस्तेमाल करते हैं जिसके बारे में शायद ही आपने सुना होगा। इसी तरह पार्लर में जाकर फेशियल और अलग-अलग ट्रीटमेंट भी करवाते हैं, पर खूबसूरत दिखने के लिए एक ऐसा भी ट्रीटमेंट मौजूद है जिसे करवाने के लिए आपको मन मजबूत करना पड़ेगा क्योंकि इसके बारे में जानकर आपको घिन आ जाएगी। ब्यूटी इंडस्ट्री में एक ऐसा भी फेशियल होता है जो पक्षी के मल से किया जाता है।

जी हां, पक्षी के मल से फेशियल होता है और ये कोई नया ट्रीटमेंट का तरीका नहीं है, बल्कि प्राचीन तरीका है जिसे आज भी लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार चिड़िया की बीट को चेहरे पर लगाया जाता है जिससे सुंदर बना जा सके और स्किन को सॉफ्ट किया जा सके। इसे बर्ड पूप फेशियल बोलते हैं। पर ये किसी भी ऐसी-वैसी चिड़िया के मल से नहीं होता। इसका दूसरा नाम है 'Nightingale Poop Facial' क्योंकि इसे बुलबुल की बीट से किया जाता है। ये सुंदरता पाने का नया तरीका नहीं है। डेली मेक के मुताबिक इसे 'जापानी फेशियल' या 'गीशा फेशियल' भी कहते हैं। जापान की महिला जापानी आर्टिस्ट गीशा और जापानी डांस ड्रामा काबुकी को परफॉर्म करने वाले कलाकारों ने 17वीं सदी में इसका इस्तेमाल करना शुरू किया था। कलाकारों को सीसा यानी लेड मिला हुआ मेकअप काफी ज्यादा मात्रा में करना पड़ता था जिसके चलते उनकी स्किन खराब हो जाती थी। चिड़िया की बीट को चेहरे पर लगाकर उन्होंने पाया कि स्किन निखर रही है और सॉफ्ट भी होती जा रही है।

पुराने वक्त से लोगों की मान्यता है कि पक्षी के मल में एंटी-एजिंग विशेषताएं हैं जिसको लगाने से औरतों की स्किन में निखार आता है और उनकी उम्र कम लगने लगती है। इस फेशियल के पदार्थ को बनाने के लिए किसी भी बुलबुल के मल का प्रयोग नहीं किया जाता, बल्कि, जापानी आइलैंड क्यूशू में पाए जानी वाली बुलबुल का मल ही इकट्ठा किया जाता है। डेली मेल की 2014 की रिपोर्ट में बताया गया कि इस फेशियल के 90 मिनट के सेशन का दाम करीब 18 हजार रुपये है वहीं हाल ही में कोईमोई नाम की एंटरटेनमेंट वेबसाइट ने खुलासा किया कि फेमस हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज भी यही फेशियल करवाते हैं और उनके एक सेशन की कीमत करीब 14 हजार रुपये है। फुटबॉलर डेविड बेखम की पत्नी विक्टोरिया बेखम भी इसी फेशियल को करवाती हैं।

हादसे का शनिवार: सड़क दुर्घटना में नौ ने गवांई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शनिवार की सुबह हादसों के नाम रहा। अलग-अलग घटनाओं में कम से कम नौ लोगों की जान चली गई। जहां पहला हादसा उत्तराखंड के देहरादून में हुआ एक कार खाई में गिरी और तीन लोगों की जान चली गई। वहीं यूपी के बलरामपुर में दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। ये लोग उत्तराखंड से देवरिया जा रहे थे।

देहरादून: खाई में गिरी कार तीन की मौत, एक घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल है। मृतक और घायल को खाई से निकालने का काम चल रहा है। एसडीआरएफ टीम की राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, देहरादून के कालसी सहिया मोटर मार्ग पर एक कार खाई में गिर गई। कार में चार लोग सवार थे। तीन की मौत की जानकारी सामने आ रही है। एक घायल भी हुआ है। एक महिला व दो पुरुष की मौत, एक पुरुष घायल हुआ है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और मृतकों और घायल को खाई से निकालने का काम किया जा रहा है। सभी घायल और मृतक दिल्ली और गाजियाबाद के निवासी बताए जा रहे हैं।

बलरामपुर में दर्दनाक सड़क दुर्घटना काल के गाल में समा गये छह लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। उत्तराखंड से देवरिया जा रही कार प्रातः 2.30 बजे बलरामपुर-उतरौला मार्ग पर बजाज चीनी मिल गेट के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे कार सवार छह लोगों की मौत हो गई है। मृतकों के परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई है।

बताया जाता है कि देवरिया जिले के श्रीरामपुर थाने के बंकुल गांव निवासी सोनू शाह परिवार के साथ कार से उत्तराखंड से देवरिया जा रहे थे। बलरामपुर से उतरौला मार्ग पर शुक्रवार की रात जब वह श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के बजाज चीनी मिल गेट के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी इसके बाद टक्कर मारने वाला वाहन भाग निकला। वहीं, कार के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सोनू समेत परिवार के छह अन्य की मौत हो गई। रात में गश्त से लौट रही पुलिस टीम ने जब क्षतिग्रस्त कार को देखा तो आननफानन में कंट्रोल रूम को इसकी

जानकारी दी गई। मृतकों के शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। एसओ विपुल पांडेय ने बताया कि एक की पहचान हो गई है। उसके परिजनों को जानकारी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि सभी परिवार के ही सदस्य है। परिजन आ रहे हैं। इसके बाद स्थिति साफ हो सकेगी।

उड़ती फ्लाइट में इमरजेंसी गेट खोलने वाला युवक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। फ्लाइट्स में इन दिनों अजीबों-गरीब मामले हो रहे हैं। अभद्रता से लेकर मारपीट तक केस हुए हैं। अब इंडिगो की चलती फ्लाइट में इमरजेंसी दरवाजा खोलने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। 30 साल का युवक इंडिगो की फ्लाइट में दिल्ली से सवार हुआ था, उसे बेंगलुरु जाना था। उड़ती फ्लाइट में उसकी हरकत से सब सकते में आ गए। युवक शराब के नशे में था।

युवक शराब के नशे में धुत था

बेंगलुरू पहुंचने पर यात्री को सीआईएसएफ को सौंप दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कानपुर के पत्रकारपुरम निवासी राजेश कुमार का पुत्र प्रतीक शुक्रवार को इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-308 में यात्रा कर रहा था। अधिकारी के मुताबिक, प्रतीक 18-एफ सीट पर बैठा था और नशे की हालत में था। पुलिस ने बताया कि शराब के नशे में धुत प्रतीक ने विमान में बैठे अन्य यात्रियों को परेशान करने की कोशिश की। इस दौरान उसने आपात निकास द्वार को खोलने का प्रयास किया। अधिकारी के अनुसार, चालक दल के एक सदस्य तेजस्वी शाह की शिकायत पर प्रतीक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 290 और 336 तथा विमानन अधिनियम की धारा 11 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नेशनल पेंशन स्कीम को समाप्त करने पर विचार कर सकती है सरकार: सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत सरकार नेशनल पेंशन स्कीम को समाप्त करने पर विचार कर सकती है इसके लिए वित्त मंत्रालय एक समिति बनाएगा और उसी की रिपोर्ट के आधार पर आगे का फैसला लिया जाएगा। पी आर के एस के प्रवक्ता ए के सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि , वित्त एवं व्यय मंत्रालय ने 6 अप्रैल को एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर बताया है, कि सरकार ने नेशनल पेंशन स्कीम को समाप्त करने के लिए हो रहे देशव्यापी विरोध और आंदोलन के मद्देनजर इसे कर्मचारियों के लिए और बेहतर बनाने के संबंध एक समिति बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें वित्त, कार्मिक और नियामक संस्था एन पी एस से संबंधित सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं ।

वित्त मंत्रालय बनाएगा एक समिति

उन्होंने कहा कि,इस ज्ञापन में यह बात साफ लिखी है, कि जो भी नीतिगत फैसले लिए जाएंगे,उनकी शर्तें और संदर्भ नेशनल पेंशन योजना की नीतियों के आलोक में होंगे ,शर्तें और संदर्भ के लिए , इस ज्ञापन में यह कहा गया है, कि एन पी एस में सुधार से संबंधित जो भी सुझाव और पैमाने प्रस्तावित किए जाएं उसमें बजटरी प्राविधानों को भी ध्यान में रखा जाए । ए के सिंह ने बताया कि, ज्ञापन में यह भी निर्देश दिया गया है कि कोई भी बदलाव करने से पूर्व,बजटीय उपलब्धता का ध्यान रखते हुए समिति अपने विवेक का इस्तेमाल अवश्य करें । समिति को यह अधिकार भी दिया गया है कि वो , यदि आवश्यकता समझे तो समय समय पर अलग अलग विभाग के अधिकारियों को इस समिति में शामिल कर सकती है । व्यय विभाग की कार्मिक शाखा , इस समिति के सचिवालय को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी । इस संबंध में पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ का यह कहना है,कि समिति का गठन और इसमें जारी निर्देश किसी भी हालत में कर्मचारियों के लिए हितकर नहीं है, क्यों कि सरकार ने ज्ञापन में जिन बातों के मद्देनजर समिति को सुझाव और फैसले लेने का निर्देश दिया है , उससे किसी गुणात्मक फैसले की उम्मीद नहीं है । सरकार ने समिति को तमाम शर्तों के अधीन सुझाव देने का फरमान जारी किया है ,यह समिति शर्तों के बंधन में रहकर कर्मचारियों के पक्ष में कोई सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रख सकेगी, इस मामले में सरकार ने अपनी आदत के अनुसार बाजीगरी करके कर्मचारियों का ध्यान मुख्य मुद्दों से भटकाने का काम किया है ।

परेशानियों को दरकिनार कर बना स्टार

» केकेआर के इम्पैक्ट प्लेयर सुयश शर्मा की गुगली में फंसे बल्लेबाज

» डेब्यू करते हुए 30 रन देकर तीन विकेट झटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता नाइटराइडर्स के इम्पैक्ट प्लेयर सुयश शर्मा डेब्यू के साथ ही छा गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ जीत सुयश ने अपनी लेग स्पिन और गुगली से बल्लबाजों को खूब परेशान किया। 19 साल के इस खिलाड़ी का क्रिकेट में कोई 'गॉडफादर' नहीं है। दिल्ली के मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाले इस लेग स्पिनर ने अभी तक अपनी काबिलियत के बूते सफलता हासिल की है।

दिल्ली के भजनपुरा इलाके के सुयश ने कोलकाता की टीम की ओर से आईपीएल में डेब्यू करते हुए 30 रन देकर तीन विकेट झटके, जिससे टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 81 रन से पराजित करने में कामयाब रही। मध्यम वर्ग के परिवार की अपनी ही समस्यायें होती हैं। फिर उनके पिता भी कैंसर जैसी बीमारी से जूझ रहे हैं, लेकिन उन्होंने 'गॉडफादर' के नहीं होने और तमाम परेशानियों बावजूद क्रिकेट की चुनौतियों से निपटना जारी रखा। सुयश शर्मा आईपीएल मैच में अपनी लेग ब्रेक और गुगली से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के दो विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और अनुज रावत के अलावा ऑलराउंडर कर्ण शर्मा के विकेट झटके। दिल्ली के कोच रणधीर सिंह ने कहा, 'सुयश के लिए यहां तक पहुंचना आसान नहीं रहा है। वह दिल्ली के पूर्व स्पिनर सुरेश बत्रा का शिष्य था और उनके क्लब के लिए खेलता था। कोविड-19 के कारण हमने सुरेश जी को गंवा दिया और फिर वह मेरे पास आया क्योंकि वह मैच प्रैक्टिस चाहता था। मैंने डीडीसीए लीग में अपने मद्रास क्लब में और ओपन टूर्नामेंट में 'रन-स्टार' क्लब में खेलने का मौका दिया।'

पिता को है कैंसर

पिछला एक साल सुयश के लिए काफी परेशानी भरा रहा क्योंकि वह संपन्न परिवार से नहीं है। सिंह ने कहा, 'उसके पिता को कैंसर होने का पता चला। लेकिन मुझे लगता है कि वह हमेशा दिल्ली के पूर्व स्पिनर और मुंबई इंडियंस के मौजूदा मैनेजर (टैलेंट स्काउट) राहुल सिंघवी का कर्जदार रहेगा जिन्होंने उसके पिता के इलाज में उसकी काफी मदद की।' उन्होंने कहा, 'मैंने उसे कहा कि अगर उसे कोई मदद की जरूरत है तो हम एम्स में भी उन्हें दिखा सकते हैं लेकिन राहुल की बदौलत उसके पिता का इलाज मुंबई में किया गया।

दक्षिण में मोदी का दौरा, विपक्ष ने किया विरोध

तेलंगाना में मोदी के कार्यक्रम से दूरी बनाएंगे सीएम केसीआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। पीएम मोदी आज तेलंगाना और तमिलनाडु के दौरे पर रहेंगे। तेलंगाना में पीएम मोदी सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ 11,360 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। प्रोटोकॉल के तहत सीएम केसीआर को पीएम के इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने इससे दूरी बनाने का फैसला किया है। पीएम की अगवानी मंत्री तलसानी श्रीनिवास करेंगे। इसके साथ ही सीएम केसीआर आज बेगमपेट हवाईअड्डे पर पीएम मोदी की अगवानी भी नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री केसीआर ने बीआरएस मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव को उनकी अनुपस्थिति में आज बेगमपेट हवाई अड्डे पर पीएम मोदी की अगवानी करने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस चेन्नई में पीएम को दिखायेगी काले झंडे

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (8 अप्रैल) को चेन्नई के दौरे पर भी रहेंगे। इसी को लेकर यहां राजनीति गरमाई हुई है, कांग्रेस की तरफ से पीएम मोदी की चन्नई यात्रा के दौरान उन्हें काले झंडे दिखाने की योजना बनाई गई है। इसी को लेकर अब बीजेपी की नेता और मशहूर अभिनेत्री खुशबू सुंदर ने तंज किया। उन्होंने कहा कि कुछ कांग्रेसियों को यह भी एहसास नहीं है कि वे वास्तव में राज्य के लिए विफलता की कामना कर रहे हैं। उनसे समझदारी की उम्मीद करना भी गलती है। उन्होंने कहा जाहिर है कि चेला अपने बॉस की तरह ही होगा। तमिलनाडु कांग्रेस ने राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के बाद से भड़की हुई है। ऐसे में अब कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी को काले झंडे दिखाने की योजना बनाई है, क्योंकि पीएम चेन्नई एयरपोर्ट पर अत्याधुनिक एकीकृत टर्मिनल भवन सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए राज्य का दौरा करने वाले हैं। पीएम मोदी चेन्नई और कोयम्बटूर के बीच पुरची थलाइवर डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे ।

खुशबू सुंदर बोलीं- जैसा बॉस वैसे चेले

बसपा प्रमुख का भाजपा सरकार पर हमला, कहा-

डबल इंजन की सरकार में जनता डबल परेशान

» मोदी से मांग- पुरानी पेंशन योजना लागू करे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पुरानी पेंशन बहाली मामले का जल्द समाधान करने की मांग की है। शनिवार को जारी अपने बयान में बसपा सुप्रीमो ने कहा कि देश भर में आम लोगों के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों का जीवन भी बढ़ती हुई महंगाई के कारण त्रस्त है।

केन्द्र व यूपी सहित विभिन्न राज्यों में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग लगातार जोर पकड़ती जा रही है। जिसका समाधान होना बहुत ज़रूरी है। बीएसपी भी यह मांग करती है। उन्होंने आगे कहा कि महंगाई के साथ-साथ गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन आदि की जटिल समस्याओं के प्रति केन्द्र व यूपी सरकार को सही नीयत व नीति के साथ काम करना जरूरी है। ऐसी जनसमस्यायें भाषणबाजी से नहीं हल होती हैं। खासकर तब जब यूपी में डबल इंजन की सरकार में जनता डबल परेशान है। इसका समाधान जरूरी है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अभी बीते दिनों पार्टी कार्यालय पर बैठक की थी और पदाधिकारियों से निकाय चुनाव को लेकर जी जान से जुटने की अपील की थी।

रविवार को जारी हो सकती है निकाय चुनाव आरक्षण की अधिसूचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगरीय निकाय चुनाव के लिए सीटों के फाइनल आरक्षण की अधिसूचना रविवार को जारी हो सकती है। वहीं राज्य निर्वाचन आयोग 9-10 अप्रैल तक चुनाव की तारीखों का एलान कर सकता है।

नगर विकास विभाग की ओर से निकाय चुनाव के लिए सीटों के अनंतिम आरक्षण की अधिसूचना 30 मार्च को जारी हुई थी। विभाग की ओर से अनंतिम आरक्षण पर 6 अप्रैल तक आपत्तियां मांगी गई थी। जिलाधिकारियों से लेकर विभाग के निदेशालय तक नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष और महापौर पद पर आरक्षण में 2000 से अधिक आपत्तियां मिली हैं। विभाग की टीम ने प्रत्येक आपत्ति का अध्ययन कर उसके निस्तारण की कार्यवाही बृहस्पतिवार से ही शुरू कर दी थी।

समर सिंह को पुलिस ने हवालात भेजा

» भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। आकांक्षा दुबे की मौत के मामले में नामजद गायक व अभिनेता समर सिंह उर्फ समरजीत सिंह गिरफ्तारी के बाद हाथ जोड़कर रोने लगा। वाराणसी कमिश्नरेट की पुलिस के सामने गिड़गिड़ाया। बोला कि मैं बेकसूर हूं, छोड़ दीजिए। मेरा भविष्य चौपट हो जाएगा, लेकिन पुलिस ने सभी मिन्नतों को अनसुना किया और उसे हवालात में डाल दिया।

गिरफ्तारी के बाद गाजियाबाद के नंदग्राम थाने से लेकर मेडिकल मुआयना और फिर अदालत में पेश किए जाने के दौरान समर सिंह सिर झुका कर मुंह छिपाने का प्रयास करते हुए चुप्पी साधे रहा। फिल्म शूटिंग के लिए वाराणसी आई अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की आत्महत्या के मामले में समर सिंह व उसका दोस्त संजय सिंह नामजद है। समर 10 दिन से पुलिस से आंख मिचौली खेल रहा था, लेकिन बृहस्पतिवार की देर रात वह पुलिस के चंगुल में फंस गया। वह गाजियाबाद में अपने जिस परिचित के फ्लैट में ठहरने के लिए पहुंचा था, वहां कमिश्नरेट की पुलिस को देखकर सन्न रह गया।

पता था पुलिस का छापा पड़ेगा इसलिए मुंबई नहीं गया

पुलिस की पूछताछ में समर ने बताया कि उसके ऑफिस लखनऊ और मुंबई में हैं। रुपये के लेनदेन और उसके प्रमोशन से संबंधित कामकाज दोस्त संजय सिंह देखता है। उसे पता था कि मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस उसकी तलाश में आजमगढ़ के मेंहगर स्थित घर जाएगी। फिर, लखनऊ और मुंबई स्थित उसके ठिकानों पर छापा मारेगी। इसलिए जानबूझकर मुंबई नहीं गया और लखनऊ भी छोड़ दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की वक्फ बोर्ड की याचिका

» कुतुब परिसर की मस्जिद मामले की सुनवाई से इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की प्रबंधन समिति की उस याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया है जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने कुतुब परिसर में स्थित मुगल मस्जिद में नमाज पर प्रतिबंध के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के आदेश के खिलाफ आगे सुनवाई करने से इन्कार कर दिया था।

जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने हाई कोर्ट के 7 मार्च के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। पीठ ने अपने 5 अप्रैल के आदेश में कहा कि हाई कोर्ट के समक्ष पहले से लंबित मामले में हस्तक्षेप करने का हमें कोई अच्छा आधार नहीं मिला। लिहाजा विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है हालांकि, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए हम हाई कोर्ट से लंबित मामले पर सुनवाई करने और जितनी जल्दी हो सके उसके गुणदोष के आधार पर कानून के मुताबिक फैसला करने का अनुरोध करते हैं।

फोटो: 4पीएम

मॉकड्रिल आपातकालीन स्थिति में मुख्यमंत्री या राज्यपाल की तबीयत खराब होने पर कितनी जल्दी पहुंचेंगे हॉस्पिटल उसकी आज सिविल हॉस्पिटल में की गई मॉक ड्रिल।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।